© 2018 IJSRST | Volume 4 | Issue 7 | Print ISSN: 2395-6011 | Online ISSN: 2395-602X

ई-कॉमर्स पर सोशल मीडिया का प्रभाव

बासुदेव यादव
डी 51 जैतपुर विस्तार 1,
राधा कृष्णा मन्दिर बदरपुर, नई दिल्ली।

ई-कॉमर्स पर सोशल मीडिया का बढ़ते हुए प्रभाव का अध्ययन करने से पता चलता है कि सोशल मीडिया ई-कॉमर्स की रीड की हड्डी बन गई है और भारत में जिओ नेटवर्क के आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स की संख्या में अप्रत्याशित रूप से बढ़ोतरी हुई है और इसका सीधा फायदा ई-कॉमर्स कंपनियों को हुआ है रिलायंस जिओ द्वारा फ्री डाटा मिलने से अचानक वर्ष 2016 में विभिन्न सोशल मीडिया साइट्स जैसे फेसबुक ट्विटर लिंकडइन इंस्टाग्राम यूट्यूब पर देश की एक बड़ी आबादी युवक एवं युवतियों की संख्या अचानक बढ़ गई और लोग किसी ना किसी सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गए और भरपूर समय भी देने लगे जिसके कारण कंपनियों को विभिन्न सोशल साइटों के माध्यम से अपने संभावित ग्राहकों तक पहुंचना बहुत आसान हो गया,

शोध का उद्देश्य सोशल मीडिया मार्केटिंग की विभिन्न रणनीतियों की पहचान करना एवं पारंपरिक विपणन व्यवस्था एवं रणनीतियों पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन करना है.

मुख्य शब्द-: रणनीतियों, सक्रिय, आबादी, अप्रत्याशित, फायदा, आम जनमानस, लोकतांत्रिक, प्रचार-प्रसार, विपणन, मूल्यांकन, अनुरूप, मानदंड

परिचय-:

लगभग पिछले 10 वर्षों में मीडिया और सोशल मीडिया में अप्रत्याशित परिवर्तन हुआ है लगभग 2.23 बिलियन लोग फेसबुक पर और 1.9 बिलियन लोग यूट्यूब पर 1.5 बिलियन व्हाट्सएप पर सक्रिय हो गए हैं तथा यह संख्या बहुत ही तीव्र गति से बढ़ती जा रही है सोशल मीडिया के माध्यम से ई-कॉमर्स कंपनियां आम जनमानस की आवश्यकताओं, उनके व्यवहार, और उनकी उपयोगिता का अध्ययन बहुत गंभीरता के साथ कर रही हैं और ई कॉमर्स कंपनियां सोशल मीडिया के माध्यम से अपने संभावित ग्राहकों तक उत्पाद लेकर पहुंच रही हैं.

सोशल मीडिया	संख्या
फेसबुक	2.3
यूट्यूब	1.9
व्हाट्सएप	1.5

सोशल मीडिया के महत्व को समझ कर के कंपनियां अपनी विपणन नीतियों को इसके अनुरूप परिवर्तित कर रही हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों से जुड़ रही हैं ,

कंपनियां अपने उत्पादों /सेवाओं के प्रचार प्रसार के लिए सोशल मीडिया को माध्यम चुन रही है,

विभिन्न क्षेत्रों में सोशल मीडिया का प्रभाव -:

कुछ ऐसे क्षेत्र जिन पर सोशल मीडिया का स्थाई और गहरा प्रभाव पड़ा है.

1. <u>राजनीति एवं समाज सेवा -:</u>

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है यहां पर पंच से लेकर प्रधानमंत्री तक का चुनाव मतदान से होता है और आम मतदाता के सहयोग और समर्थन के बिना यह संभव नहीं है, समाज सेवा इसकी मूल भावना है समाज सेवा के प्रति दृढ़ संकल्पित व्यक्ति एवं पार्टी को ही लोग अपना मत देना उचित एवं आवश्यक समझते हैं आजकल सभी सक्रिय राजनीतिक पार्टियां एवं राजनेता फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप और अन्य सोशल साइट्स पर सदैव सक्रिय रहते हैं और अपने द्वाराकिए गए सभी समाज सेवा के कार्य को लोगों तक पहुंचाते रहते हैं. अपने वोटरों को प्रभावित करने के लिए तरह तरह के पोस्ट, वीडियो, सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनमानस तक पहुंचाते रहते हैं राजनीतिक पार्टियां इन कार्यों को करने के लिए विभिन्न कंपनियों की मदद लेती हैं और अपने कार्यालयों पर भी सोशल मीडिया की टीम नियुक्त करती हैं.

<u>2. विपणन एवं प्रचार-प्रसार-:</u>

पिछले एक दशक में सभी व्यवसायिक गतिविधियों का प्रचार प्रसार रेडियो टेलीविजन समाचार पत्र-पत्रिकाओं से हटकर सोशल मीडिया वेबसाइटों पर होने लगा है कंपनियां एवं ब्रांड अपना प्रचार प्रसार सोशल साइटों पर संभावित ग्राहकों को ध्यान में रखकर कर रही हैं जो कि रेडियो टीवी की तुलना में कम खर्च करके किया जा रहा है, ई-कॉमर्स कंपनियां इसका अत्यधिक लाभ उठा रही हैं,

ई-कॉमर्स कंपनियां सोशल मीडिया के माध्यम से घरों के अंदर रह रही महिलाओं तक आसानी से पहुंच बना रही हैं जिससे ई-कॉमर्स कंपनियों की बिक्री में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिली है,

<u>3.पत्रकारिता: -</u>

सोशल साइट्स और व्हाट्सएप के माध्यम से बड़ी और छोटी सी छोटी घटनाएं तेजी से एक दूसरे तक पहुंच रही हैं जिससे तमाम पत्रकार बंधुओं को भी पत्रकारिता करना आसान हो गया है क्योंकि स्वाभाविक तौर पर छोटी-बड़ी सभी खबरें सोशल साइट्स के माध्यम से पत्रकारों के पास पहुंच रही हैं जिसके लिए वह अभी तक काफी दूरदराज क्षेत्रों तक जाया करते थे ठीक इसी के उलट तमाम समाचार एजेंसियां लिंक और वीडियो इन्हीं के माध्यम से बड़ी आसानी से सभी के पास भेज देती हैं जैसे न्यूज़ हंट यूसी ब्राउजर नवभारत टाइम्स ऑनलाइन आदि,

4. व्यवसाय: -

आजकल लगभग सभी व्यवसायिक संगठनों की सोशल मीडिया अकाउंट जरूर है और वह इस पर हर समय सक्रिय हैं वह इसी माध्यम से अपने उत्पाद एवं सेवाओं का प्रचार-प्रसार भी कर रहे हैं यही नहीं कंपनियां अपने उत्पाद का फीडबैक प्रतिक्रिया भी सोशल साइट्स पर आसानी से ले रहे हैं और तमाम छोटी-छोटी कॉमर्स कंपनियां फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से घर बैठे व्यवसाय भी कर रहे हैं,

5.नियुक्तियां-:

सोशल मीडिया लिंक्डइन ने मानवीय संसाधनों की नियुक्ति एवं कैरियर को नई ऊंचाइयों प्रदान की गई है यह बात अलग है कि यह एक खुली होम सार्वजनिक व्यवस्था है इसलिए लोगों को थोड़ा सा प्राइवेसी का खतरा महसूस हो रहा है,

सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यम-: कुछ बहुचर्चित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म निम्नलिखित हैं

फेसबुक-:

फेसबुक सोशल मीडिया वेबसाइट सबसे बड़ी वेबसाइट से और इसकी ख्याति विश्व के लगभग सभी देशों में है और लगातार बढ़ती जा रही है यह व्यवसाय से जुड़ने का सर्वोत्तम माध्यम है फेसबुक पेज के माध्यम से लोगों को अपने व्यवसाय से आसानी से जोड़ा जा सकता है

ट्विटर-:

ट्यूटर एक ऐसा स्थान है जहां पर लोग अपने विचार शब्दों में प्रकट करके आसानी से लोगों तक पहुंचा सकते हैं यह भी व्यवसायिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए मुफीद जगह है,

यूट्यूब-:

यूट्यूब पर लगभग 1.5 बिलीयन लोग सक्रिय हैं और बहुत अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं तमाम ई-कॉमर्स कंपनियां यूट्यूब वीडियो पर अपना प्रचार प्रसार कर के अपने व्यवसाय का विस्तार कर रही हैं,

शोध का उद्देश्य-:

1- सोशल मीडिया पर ई-कॉमर्स एक्टिविटी से आम जनजीवन पर क्या प्रभाव पड़ा नंबर.
2- क्या इकॉमर्स कंपनियां सोशल मीडिया पर हावी हैं?
3- क्या सोशल मीडिया ई-कॉमर्स कंपनियों पर हावी है,
4- सोशल मीडिया का इकॉमर्स पर क्या प्रभाव पड़ा है.

अनुसंधान क्रियाविधि– :

हमने अपने शोध उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न ई-कॉमर्स कंपनियों एवं सोशल मीडिया क्रियाकलापों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया है,

परिणाम एवं विश्लेषण-:

1- हमें शोधों से यह पता चला है कि सोशल मीडिया इंटरनेट के माध्यम से एक आभासी दुनिया पेश करता है.

2- इससे समाज के विभिन्न वर्गों में सूचनाओं का आदान-प्रदान बहुत तेजी से होता है जिसका ई-कॉमर्स कंपनियां लाभ उठाती हैं. और उत्पाद से संबंधित सूचनाएं और उस पर दिए जाने वाले ऑफर इन्हीं के माध्यम से लोगों तक पहुंचाते हैं.

निष्कर्ष और भविष्य– :

फेसबुक ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे अति सक्रिय प्लेटफॉर्म पल-पल बदलती जिंदगी को अपडेट करने के सशक्त पैमाने बनकर उभरे हैं इस बदलती हुई आभासी और अति सक्रिय दुनिया में आप तभी सफल माने जाएंगे जब करंट स्टेटस के मानदंड पर खरे उतरेंगे जाहिर है कि आधुनिक दुनिया में अपडेट रहना आवश्यक है अनवरत चलने वाले इस खेल ने लोगों को स्वास्थ्य के लिहाज से बेकार और बीमार बना दिया है सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हमारी जिंदगी बेशक कुछ आसान हुई है लेकिन अब यह फायदे से कहीं ज्यादा नुकसान देने लगे हैं हमारे शोध में यह तथ्य उभरकर सामने आए हैं कि यह सोशल मीडिया का असर अन्य नशीली चीजों जैसा ही हो गया है एक तरफ जहां यह लोगों को मानसिक बीमार बना रहा है तो दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर सक्रिय कॉमर्स कंपनियां लोगों की जेब पर गहरा असर छोड़ रही हैं.

संदर्भ ग्रंथ सूची-:

1-ई-कॉमर्स और मोबाइल कॉमर्स यू.एस. पांडे (लेखक) और सौरभ शुक्ला (लेखक) द्वारा

2-कौर, गुरप्रीत। "सामाजिक मीडिया विपणन।" एशियन जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज 4.7 (2016)।

3- ई-कॉमर्स पर सोशल मीडिया का Dr_singh_Manohar_Impact।

4-भारत में ई-कॉमर्स। - विकिपीडिया।

5- भारत में ई-कॉमर्स: उद्योग अवलोकन, बाजार का आकार और विकास- www.ibef.org,